हरिभूमि
हिसार-हांसी भूमि
रोहतक, सोमवार 15 जून 2026

11 24 को राज्य कार्यकारिणी का प्रतिनिधिमंडल डायरेक्टर से मांगेगा जवाब

12 योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव

खबर संक्षेप

चोरी के दो आरोपी दबोचे चोरीशुदा ट्रैक्टर बरामद

हिसार। अग्रोहा पुलिस ने ट्रैक्टर चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरीशुदा ट्रैक्टर बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान हांसी के ढाणी सांकरी निवासी रोहित व किरमारा गांव निवासी सुनील कुमार के रूप में हुई है। अग्रोहा थाना प्रभारी ने बताया कि इस संबंध में 10 जून को किरमारा गांव निवासी राजेन्द्र ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार किसी ने उसका स्वराज 855 ट्रैक्टर चोरी कर लिया है। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच करते हुए दोनों आरोपियों रोहित व सुनील को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरीशुदा ट्रैक्टर बरामद कर लिया गया है।

पोक्सो एक्ट के मामले में आरोपी मात्र 5 घंटे में धरा

हिसार। एचटीएम थाना पुलिस ने पोक्सो एक्ट के एक मामले में कार्रवाई करते हुए मात्र पांच घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान सातरोड खास निवासी अमन उर्फ लाडला के रूप में हुई है। एचटीएम थाना प्रभारी विकास लाठर ने बताया कि इस संबंध में हिसार निवासी पीड़िता ने आरोपी के विरुद्ध शिकायत दी थी। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी अमन उर्फ लाड़ला को काबू कर लिया। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी मामले से जुड़े सभी पहलुओं पर गहनता से पूछताछ की जाएगी ताकि घटना से संबंधित तथ्यों की पूरी जानकारी प्राप्त की जा सके और कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई अमल में लाई जा सके।

अपहरण कर मारपीट करने में पांच गिरफ्तार

हिसार। आजाद नगर पुलिस ने अपहरण कर मारपीट करने के मामले में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मंडी आदमपुर निवासी अनिल, मोहित, विक्रम, असरावां निवासी कुलदीप व धान्सू निवासी सक्षम शामिल है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में प्रयोग किए गए डंडे, बाइक व कार को बरामद किए गए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक दलबीर सिंह ने बताया कि इस संबंध में गत 14 मई को आदमपुर के जवाहर नगर निवासी कृष्ण ने शिकायत दी थी। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने 6 अप्रैल को उसे अगवा करके चौधरीवास के खेतों में ले जाकर पीटा। आरोपियों ने मारपीट करते समय वीडियो बनाई और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी। मामले की जांच करते हुए एएसआई सतबीर ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी गोरी शकंर उर्फ गोरी व केशव शर्मा उर्फ लालू पहले से गिरफ्तार हो चुके हैं।

गांजा तस्करी के मामले में असल सप्लायर काबू

हिसार। पीएलए चौकी पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में असल सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान पटेल नगर निवासी मुकल उर्फ कालिया के रूप में हुई है। आरोपी पर भिन्न धाराओं के तहत 8 मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार गत 8 जून को सहायक उप निरीक्षक अनूप कुमार ने 157 ग्राम गांजा सहित एक महिला को काबू किया था। जांच में पता चला कि महिला को यह गांजा मुकल ने बेचा था। इस पर पुलिस ने मुकल को गिरफ्तार कर लिया।

अवैध रूप से तलवार रखने पर एक गिरफ्तार

हिसार। अर्बन एस्टेट पुलिस ने अवैध रूप से तलवार रखने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सिरसा जिले के खारिया निवासी दिनेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गश्त के दौरान सूचना के आधार पर आरोपी को पकड़ा गया। मामले की जांच जारी है तथा आरोपी से पूछताछ कर यह भी पता लगाया जा रहा है कि उक्त हथियार किस उद्देश्य से रखा गया था और कहीं उसका किसी अन्य गतिविधि से संबंध तो नहीं है।

फूटा गुस्सा: खरकड़ा निवासी बिंटू की मौत के बाद उग्र हुए ग्रामीण

पुलिस पर प्रताड़ित करने का आरोप थाने के बाहर शव रख लगाया जाम

- दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत और समझाने के बाद मामला हुआ शांत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

बरवाला। थाने के आगे शव रखकर जाम लगाते परिजन व ग्रामीण। इनसेट में बिंटू का फाइल फोटो।

क्षेत्र के गांव खरकड़ा निवासी लगभग 40 वर्षीय बिंटू की तबीयत बिगड़ने के बाद हुई मौत से गुस्साए परिजनों व अन्य ग्रामीणों ने बरवाला पुलिस थाना के आगे शव रखकर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने काफी देर तक नारेबाजी करते हुए पुलिस पर प्रताड़ित करने तक के आरोप लगा दिए।

परिजन मृतक का शव लेकर थाने पहुंचे और मामले में पुलिस जांच अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। इस धरना प्रदर्शन में इन गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। धरना प्रदर्शन में शामिल मृतक के परिजनों का आरोप है कि एक पारिवारिक विवाद के मामले में एक महिला द्वारा दी गई शिकायत के संबंध में शुक्रवार को बिंटू समेत कुछ लोगों को पूछताछ के लिए बरवाला थाना बुलाया गया था। परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि पूछताछ के दौरान बिंटू को लंबे समय तक थाने में बैठाए रखा और पीने के लिए पानी नहीं दिया गया और न ही पीने के पानी तक जाने दिया गया जिससे उसकी तबीयत खराब हो गई। देर शाम को घर लौटने के बाद उसकी हालत बिगड़ गई और उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा।

परिजनों के अनुसार पहले उसे बरवाला के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन हालत गंभीर होने पर अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत के बाद गुस्साए परिजन रविवार सुबह शव को लेकर बरवाला थाना पहुंच गए और थाना के मुख्य गेट के बाहर धरने पर बैठ गए। इस धरना प्रदर्शन के दौरान परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा अनावश्यक रूप से परेशान किए जाने के कारण बिंटू की तबीयत बिगड़ी और उसकी जान चली गई।

मौजिज लोगों से बातचीत के बाद संस्कार को माने

मृतक बिंटू ड्राइवरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। उसकी मौत से गांव में शोक की लहर है। थाना प्रभारी कर्मजीत सिंह ने बताया कि परिजनों की शिकायत सुनने के बाद उनकी और मौजिज लोगों की मौजूदगी में बैठक हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान किसी प्रकार की प्रताड़ना नहीं दी गई और न ही कोई लापरवाही बरती गई। बातचीत के बाद परिजन संतुष्ट होकर शव को अंतिम संस्कार के लिए गांव खरकड़ा ले गए। उन्होंने संबंधित जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मामले की सूचना मिलने पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। दोनों पक्षों के बीच हुई बातचीत और समझाने के बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद परिजन शव को गांव खरकड़ा ले गए, जहां अंतिम संस्कार किया गया।

महिला की हत्या कर शव खरड़ के खेत में फेंका

खेत में बने कोठे में मिला शव, हाथ बंधे थे मुंह में ठूंस रख था कपड़ा, नहीं हुई पहचान हाथ पर लिखा था पासो रानी व सीमा रानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

सदर क्षेत्र के गांव खरड़ में खेत में बने कोठे में महिला का शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लगभग 40-42 वर्षीय उक्त महिला के हाथ रस्सी से बंधे हुए हैं और मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ है। अभी तक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि महिला की गला घोंटकर हत्या की गई और बाद में शव को यहां लाकर फेंक दिया गया। घटनास्थल के पास कार के टायरों के निशान भी मिले हैं।

जानकारी के अनुसार खरड़ गांव के खेतों के रास्ते से रविवार सुबह लोग जा रहे थे तो उन्हें महिला का शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की तो देखा कि महिला के हाथ पर पासो रानी और सीमा रानी लिखा हुआ है। पुलिस ने शव को नागरिक अस्पताल में पहचान के लिए रखवाया है। जांच के चलते पुलिस ने हत्या में शामिल लोगों तक पहुंचने के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। फोरेंसिक टीम ने जांच के बाद बताया कि महिला की हत्या इस कोठरी में नहीं, बल्कि कहीं और की गई है। पुलिस ने बताया कि रामायण टोल प्लाजा के पास बनी फैक्ट्री के साथ एक रास्ता गांव खरड़ के खेतों में जाता है, जहां के कोठरे में ये शव मिला। आशंका है कि हत्यारों ने इसी सुनसान रास्ते का फायदा उठाया। पुलिस अब टोल प्लाजा, कच्चे रास्ते व फैक्ट्री के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालेगी, ताकि आरोपियों का सुराग लगाया जा सके। सदर थाना प्रभारी ईश्वर सिंह ने बताया कि महिला के शव को नागरिक अस्पताल में पहचान के लिए रखवाया गया है। पहचान के बाद के ही हत्या के कारणों का सही पता चल पाएगा। फिलहाल पुलिस की जांच जारी है।

आंधी में खेतों में लगी सोलर प्लेट और खंभे टूटकर गिरे

नारनौंद। क्षेत्र के गांव हैबतपुर में शुक्रवार की शाम को तेज आंधी और तूफान आने के कारण खेतों में लगी सोलर प्लेट नीचे गिरकर टूट गई। साथ खेतों में बिजली के पोल भी गिर गए जिसके कारण खेतों की बिजली गुल हो गई। किसानों ने अधिकारियों से जल्द बिजली बहाल करने की गुहार लगाई है। वहीं जिन किसानों की सोलर प्लेट टूटी हैं। उन्होंने भी कंपनी से नई सोलर प्लेट लगाने की मांग की है। किसान कृष्ण ने बताया कि शुक्रवार की शाम को अचानक से तेज आंधी और तूफान आ गया। जिसके कारण खेत में ट्यूबल चलाने के लिए लगी हुई सोलर प्लेट टूटकर नीचे गिर गई। खेत में बिजली न होने कारण जो सब्जी की फसल उगाई हुई थी उसमें पानी में आने के कारण सूखने लग गई है साथ ही धान की रोपाई के लिए पौध भी तैयार करनी है अगर जल्दी बिजली के पोल और सोलर प्लेट नहीं लगाई गई तो किसानों के खेतों में उगी हुई सब्जी और अगली फसल के लिए पौध की बिजाई नहीं हो पाएगी। इसकी शिकायत कंपनी के अधिकारियों को दे दी गई है। अगर जल्द नहीं लगाई गई तो किसानों को भारी नुकसान होगा। किसानों ने सरकार से गुहार लगाई है कि जल्द से जल्द खेतों में पड़े हुए बिजली के पोल भी खड़े किए जाए।

हांसी प्रवेश द्वार विवाद में महापंचायत, विधायक के अनुरोध पर किया 11 सदस्यीय कमेटी का गठन

प्रस्तावित 'महाराजा अरूट द्वार' को राव तुलाराम के नाम पर बनाने की मांग कर रहा यादव समाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

दिल्ली की ओर से हांसी में प्रवेश द्वार पर प्रस्तावित 'महाराजा अरूट द्वार' को लेकर चल रहे विवाद के बीच रविवार को शहीद राजा राव तुलाराम चौक संघर्ष समिति हांसी के प्रधान एडवोकेट चंद्रभान यादव की अगुवाई व मिलकपुर गांव के पूर्व सरपंच रामस्वरूप यादव की अध्यक्षता में महापंचायत का आयोजन किया गया। शहीद राव तुलाराम चौक पर आयोजित सभा में शामिल होने आए हजारों लोगों द्वारा शहीद राजा राव तुलाराम के नाम पर द्वार के निर्माण की पुरजोर मांग उठाई गई। सभा को पूर्व सांसद डीपी यादव, नरेश यादव, युवा समाजसेवी गगन यादव, शहीद राजा राव तुलाराम चौक संघर्ष समिति हांसी के प्रधान एडवोकेट चंद्रभान यादव, रिटायर्ड एसडीओ डीपी यादव, हरेंद्र यादव, सुरजीत यादव व ईश्वर शास्त्री समेत कई अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया।

इस अवसर पर नरेश यादव ने कहा कि राव तुलाराम द्वार की मांग पूरी तरह समाज की भावना से जुड़ी है। और इसे राजनीति से जोड़ना गलत है। यादव समाज ने केवल अपने महापुरुष के सम्मान में मांग रखी है, किसी अन्य समाज या महापुरुष का विरोध नहीं किया। यादव और पंजाबी समाज के बीच भाईचारा हमेशा रहा है और आगे भी बना रहेगा।

लोकतंत्र में जनता की भावनाओं और समाज की राय का सम्मान होना चाहिए: डीपी यादव

पूर्व सांसद डीपी यादव के साथ आए गगन यादव ने समाज को एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज के हितों के लिए संघर्ष करने वाले लोग हर परिस्थिति में साथ खड़े रहेंगे। मजबूत नेतृत्व और संगठन ही समाज की सबसे बड़ी ताकत है। पूर्व सांसद डीपी यादव ने राव तुलाराम को देश का महान स्वतंत्रता सेनानी बताया। उन्होंने कहा कि उनका सम्मान पूरे देश का सम्मान है। डीपी यादव ने विधायक विनोद भयाना से अपील की कि वे स्वयं राव तुलाराम की प्रतिमा का अनावरण करें, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए। लोकतंत्र में जनता की भावनाओं और समाज की राय का सम्मान होना चाहिए।

विवाद सुलझाने के लिए कमेटी गठन का प्रस्ताव

सभा के दौरान विधायक विनोद भयाना का संदेश लेकर पहुंचे वेद नारंग ने बताया कि विधायक ने विवाद सुलझाने के लिए 11 सदस्यीय कमेटी बनाने का प्रस्ताव दिया है। विधायक ने कहा है कि दोनों पक्षों की कमेटी बातचीत कर आपसी सहमति से समाधान निकालेगी।

बैठक में कमेटी गठन पर सहमत हुई समिति

यादव समाज ने विधायक के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। बैठक में तय हुआ कि प्रत्येक गांव से प्रतिनिधित्व लेकर 11 सदस्यीय कमेटी गठित की जाएगी। यह कमेटी जल्द ही विधायक विनोद भयाना से मिलकर समाज की भावनाएं और मांगें रखेगी। समाज ने कहा कि आगामी रणनीति कमेटी की वार्ता के बाद तय होगी।

ट्रेडिंग के नाम पर ठगी का आरोपी दबोचा

चूरू निवासी गौरव के रूप में हुई पहचान, 45 हजार रुपये बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

साइबर अपराध थाना हांसी पुलिस ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर हुई बड़ी साइबर ठगी के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 45 हजार रुपये की राशि भी बरामद की गई है।

साइबर थाना में तैनात उप निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया कि जनवरी 2026 में हांसी निवासी जतिन ने शिकायत दर्ज करवाई थी। जतिन ने बताया कि व्हाट्सएप के जरिए अज्ञात लोगों ने उससे संपर्क किया और शेयर बाजार व क्रिप्टो ट्रेडिंग में भारी मुनाफे का लालच दिया।

यूं दिया था ठगी को अंजाम

ठगों ने उसे एक फर्जी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर खाता खुलवाया। शुरुआत में नकली मुनाफा दिखाकर उसका भरोसा जीता गया। इसके बाद जालसाजों ने अलग-अलग किस्तों में जतिन से 19 लाख 71 हजार 647 विभिन्न बैंक खातों और यूपीआई आईडी में ट्रांसफर करवा लिए। जब जतिन ने अपनी निवेश की गई रकम निकालनी चाही तो आरोपियों ने पैसे देने से साफ इंकार कर दिया। तब जाकर जतिन को ठगी का एहसास हुआ। शिकायत पर साइबर अपराध थाना हांसी में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। तकनीकी साक्ष्यों और बैंक ट्रांजैक्शन की गहन पड़ताल के बाद पुलिस ने गौरव पुत्र विनीत निवासी सैनिक बस्ती, सेक्टर-1, चूरू (राजस्थान) को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से ठगी की 45 हजार रुपये की राशि बरामद हुई है। इस मामले में पहले भी एक आरोपी की गिरफ्तारी हो चुकी है।

उकलाना में महापंचायत

लंबित लाभ, बंद पोर्टल व श्रमिक कल्याण योजनाओं को लेकर मुख्यमंत्री और श्रम मंत्री का पुतला जलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उकलाना

संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा के नेतृत्व में उकलाना में मजदूरों की महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में प्रदेशभर से आए मजदूर नेताओं ने निर्माण मजदूरों के लंबित लाभ, बंद पड़े पोर्टल और श्रमिक कल्याण योजनाओं को लेकर सरकार के खिलाफ रोष व्यक्त किया। महापंचायत के बाद मजदूरों ने मंडी क्षेत्र में प्रदर्शन करते हुए बस स्टेंड के सामने मुख्यमंत्री और श्रम मंत्री का प्रतीकात्मक पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराया।

नहीं मिल रहे लाभ: सीटू भवन निर्माण कामगार यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मनोज सोनी ने कहा कि प्रदेश में श्रम विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार लगभग 6.70 लाख पंजीकृत मजदूर सक्रिय हैं, जो प्रतिवर्ष अपना अंशदान जमा करवा रहे हैं। मजदूरों के कल्याण के लिए बनाए गए बोर्ड के पास सात हजार करोड़ रुपये की राशि जमा है, लेकिन इसके बावजूद मजदूर विभिन्न योजनाओं के लाभ से वंचित हैं।

17 को सिवानी में भी उठाएंगे मांग

एक वर्ष से मजदूरों का ऑनलाइन पोर्टल बंद पड़ा है, जिसके कारण नए पंजीकरण नहीं हो रहे और पहले से पंजीकृत मजदूर भी विवाह सहायता, छात्रवृत्ति, मातृत्व लाभ, औजार सहायता, साइकिल योजना, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा मृत्यु सहायता जैसी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। इंटक के प्रदेश महासचिव धर्मवीर लोहान ने कहा कि सरकार तत्काल मजदूरों के लंबित लाभ जारी करे और पोर्टल को शुरू करे अन्यथा सबसे पहले संबंधित मंत्री के आवास का घेराव कर प्रदर्शन किया जाएगा। भवन निर्माण मजदूर संघ के प्रदेश महासचिव कृष्ण कुमार नैन ने कहा कि 17 जून को सिवानी में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान भी मजदूर अपनी मांगों को प्रमुखता से उठाएंगे।

साइकिल यात्री का धरना, 14 जिलों का कर चुके दौरा

रेफरमुक्त हो स्वास्थ्य सेवाएं, सुधार की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

फरीदाबाद की रेफर मुक्त संघर्ष समिति के संयोजक सतीश चोपड़ा अपने साथी के साथ साइकिल यात्रा पर हैं। वे हरियाणा के सरकारी अस्पतालों की स्थिति का जायजा ले रहे हैं। हांसी पहुंचने पर उन्होंने सिविल अस्पताल के बाहर सांकेतिक धरना दिया और प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग उठाई।

सतीश चोपड़ा ने बताया कि इससे पहले उन्होंने फरीदाबाद सिविल अस्पताल के बाहर 294 दिनों तक धरना दिया था। उस समय सरकार ने अस्पतालों के उन्नयन, ट्रॉमा सेंटर निर्माण और डॉक्टरों व स्टाफ की संख्या बढ़ाने सहित कई घोषणाएं की थीं, लेकिन अधिकांश पर अभी तक काम शुरू नहीं हुआ है। इसी कारण वे साइकिल यात्रा के माध्यम से सरकारी अस्पतालों की वास्तविक स्थिति जानने और लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने अब तक हरियाणा के 14 जिलों का दौरा किया है। सतीश चोपड़ा ने सरकार से मांग की है कि प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में रिक्त पदों को जल्द भरा जाए। उन्होंने ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की भी अपील की. ताकि मरीजों को अपने ही जिले में बेहतर इलाज मिल सके और उन्हें रेफर होने की मजबूरी का सामना ना करना पड़े।

हांसी के अस्पताल में बताई कई कमियां

हांसी सिविल अस्पताल में उन्होंने कई कमियां बताईं। कहा कि, यहां प्राथमिक ट्रॉमा सुविधा तो है, लेकिन पूर्ण ट्रॉमा सेंटर नहीं है। अस्पताल में फार्मासिस्ट समेत कई पद खाली हैं। कैंसर डे-केयर सेंटर में ऑन्कोलॉजिस्ट उपलब्ध नहीं है। इसके अतिरिक्त, बच्चों के आईसीयू और एचडीयू में स्टाफ की कमी के कारण मरीजों को कई सुविधाओं का पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। हालांकि, अस्पताल में साफ-सफाई और पेयजल व्यवस्था संतोषजनक पाई गई, लेकिन कई वार्डों में एसी काम नहीं कर रहे थे। मरीजों को आवश्यक दवाइयों की कमी के कारण बाहर से दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं। गंभीर मरीजों को पर्याप्त सुविधाओं के अभाव में उच्च चिकित्सा केंद्रों में रेफर करना पड़ता है।

हिसार विधानसभा क्षेत्र के 186415 में से 102651 मतदाता मैप, 83764 की मैपिंग करेंगे बीएलओ

- विस क्षेत्र में 24 मतदान केंद्र बढ़ेंगे, अब होंगे कुल 186

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार चलाए जाने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सोमवार यानि 15 जून से बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे।

हिसार विधानसभा क्षेत्र की निर्वाचन पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम ज्योति मित्तल ने बताया कि सभी बीएलओ को प्रशिक्षण उपरांत रविवार को रिलीव कर दिया गया है, अब ये बीएलओ सोमवार से 14 जुलाई तक घर घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे।

21 जुलाई से 20 अगस्त तक लेंगे आपत्तियां

हिसार विधानसभा क्षेत्र में कुल 1 लाख 86 हजार 415 मतदाता हैं, इनमें 97 हजार 497 पुरुष, 88 हजार 913 महिला तथा 5 थर्ड जेंडर शामिल है। अभी तक कुल मतदाताओं में से 1 लाख 2 हजार 651 मतदाता मैप हो चुके हैं, जबकि 83 हजार 764 मतदाताओं की मैपिंग बाकि है। उन्होंने बताया कि जिन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक है, वहां मतदाताओं की सुविधा के लिए नए मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके तहत हिसार विधानसभा क्षेत्र में 24 नए मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। एसडीएम ज्योति मित्तल ने बताया कि अभी हिसार विधानसभा क्षेत्र में 162 पोलिंग केंद्र है जो बढ़कर 186 हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत 1 जुलाई 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। मतदान केंद्रों के युक्तिकरण का कार्य 14 जुलाई तक पूरा किया जाएगा। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 21 जुलाई 2026 को किया जाएगा। इसके बाद 21 जुलाई से 20 अगस्त तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी तथा 18 सितंबर 2026 तक उनका निपटारा किया जाएगा।

कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे
जीना है तो पत्थर की तरह जियो,
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।
- हरिवंश राय बच्चन

कहानी

डॉ. मधुकांत

पेपर आउट है

खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था।

मेधावी और अनुशासित छात्र सजल जब गांव के सीधे-सादे परिवेश से निकलकर शहर में कोचिंग करने आया, तो उसके माता-पिता ने अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक पैसा जोड़कर उसे इस उम्मीद से भेजा था कि वह डॉक्टर बनकर लौटेगा। शुरुआत में सजल हॉस्टल के कड़े अनुशासन में रहा। वह रोज घंटों किताबों में खोया रहता। यह परिश्रम कुछ ही महीनों का मेहमान साबित हुआ। उसी शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान में सजल की मुलाकात अपने ही जिले की अंकिता से हुई, जिसे वह पहले से जानता था।

दोनों ने ही दसवीं की बोर्ड परीक्षा में टॉप टेन में स्थान पाकर जिलाधिकारी से सम्मान प्राप्त किया था। रोज की मुलाकातें, एक ही बेंच पर बैठना और परीक्षा के तनाव को बांटना, धीरे-धीरे गहरे आकर्षण में बदल गया। हॉस्टल की दीवारें अब सजल को जेल जैसी लगने लगीं। अंकिता से बेरोकटोक मिलने के लिए उसने हॉस्टल छोड़ दिया और बाहर एक प्राइवेट कमरा ले लिया। अंकिता का भी वहां आना-जाना आम हो गया। जिस उम्र में करियर की मजबूत नींव रखी जानी चाहिए थी, उसमें दोनों पिकनिक मनाने, सिनेमाघरों और महंगे रेस्टोरेंटों में समय बिताने लगे। किताबें मेज पर धूल फांकती रहीं। उन्हें भ्रम था कि वे बुद्धिमान हैं और अंत में कुछ दिन पढ़कर परीक्षा निकाल लेंगे, पर प्रतियोगी परीक्षाओं की दुनिया एक दिन की लापरवाही भी बर्दाश्त नहीं करती। दो वर्ष का समय पानी की तरह बह गया। जब नीट का परिणाम आया, तो दोनों बुरी तरह असफल रहे। इसी बीच अंकिता के परिजनों को उनके प्रेम-संबंधों का पता चल गया। लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए।

अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया, लेकिन उसका अहंकार मरा नहीं था। वह पराजित होकर गांव नहीं लौटना चाहता था, जहां उसे पिता की मिठाई की दुकान संभालनी पड़ती या किसी स्कूल में मामूली वेतन पर पढ़ाना पड़ता। वह शहर की सुख-सुविधाओं का आदी हो चुका था और रातोंरात अमीर बनना चाहता था। उसने एक तिकड़मी साथी के साथ मिलकर शहर के मुख्य इलाके में एक पूरी बिल्डिंग किराए पर ली और 'अंकिता कोचिंग सेंटर' की शुरुआत की। इस कोचिंग का मुख्य आकर्षण पढ़ाई नहीं, बल्कि छात्रों को किसी भी कीमत पर पास कराने की सौ प्रतिशत गारंटी थी। यह आधुनिक शिक्षा की विडंबना थी कि जो सजल खुद नीट पास नहीं कर पाया था, उसने दो साल की नाकामी में परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों और अनैतिक हथकंडों को बारीकी से सीख लिया था। उसे पता था कि कौन सा अधिकारी कहां बिकता है और परीक्षा केंद्रों पर सेटिंग कैसे होती है। जल्द ही उसका यह धंधा चल निकला।

लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए। अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया।

लेकिन पाप का घड़ा ज्यादा दिन नहीं टिकता। एक बड़ी राष्ट्रीय परीक्षा का पेपर आउट कराने के चक्कर में सजल और उसका पार्टनर रंगे हाथों पुलिस द्वारा पकड़ लिए गए। संस्थान पर ताला लग गया और दोनों जेल पहुंच गए। जेल जाने के बाद असली सामाजिक ढांचा सामने आया। सजल के रसूखदार पार्टनर के घरवाले तुरंत पैसा और वकील लेकर आए और अपने बेटे को छुड़ा ले गए। परंतु सजल के गरीब माता-पिता गांव में लोक-लाज के मारे मुंह छिपाए बैठे थे। ऐसे में सजल की जमानत उस बड़े सिंडिकेट ने करवाई जो पूरे देश में पेपर लीक करने का काला साम्राज्य चलाता था। गैंग के सरगना ने सजल की चालाकी और शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को समझने की उसकी प्रतिभा को भांपकर उसे अपने गैंग का मुख्य मोहरा बना लिया। यह कोई छोटा गिरोह नहीं था, बल्कि पेपर आउट करके लाखों छात्रों के भविष्य को चंद रुपयों में बेचने वाला एक अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट था, जिसे देश के बड़े पूंजीपतियों, भ्रष्ट अधिकारियों और रसूखदार सफेदपोश नेताओं का संरक्षण प्राप्त था। हमारे विशाल देश में साल के बारह महीने कोई न कोई परीक्षा चलती ही रहती है। इन गोपनीय प्रश्नपत्रों को परीक्षा से चंद घंटे पहले आउट करना और अकूत अवैध धन कमाना इस सिंडिकेट का व्यवसाय बन चुका था।

इस सामूहिक खुशी के पीछे देश की शिक्षा व्यवस्था को लगा गहरा ग्रहण छिपा था। योग्य और प्रतिभावान गरीब छात्र इस व्यवस्था की चक्की में पिस रहे थे। सरकारें भी इस संकट से मुंह मोड़े बैठी थीं। इस फर्जीवाड़े से डिग्रियां पाकर युवा जुगाड़ में लग जाते थे, जिससे वे सड़कों पर उतरकर बेरोजगारी का वास्तविक आंकड़ा नहीं बढ़ाते थे और न ही नई नौकरियों की मांग करते थे। कागजों पर सब ठीक देखकर सरकार भी खुश रहती थी। जब कभी पेपर आउट होने की खबर मीडिया में आती, तो कुछ दिनों के लिए हंगामा मचता। विपक्षी दल सड़कें जाम करते, संसद में नारेबाजी होती और टीवी पर बहसें होतीं। जनआक्रोश शांत करने के लिए सरकार एक दिखावटी जांच कमेटी बना देती। पीड़ित छात्र और लाचार अभिभावक कुछ दिनों तक न्याय की उम्मीद में लाठियां खाते और अंत में अपनी किस्मत को कोसते हुए चुप होकर घर बैठ जाते। समय बीतने के साथ सब भुला दिया जाता और अगले साल फिर यही कहानी दोहराई जाती। सजल इस काले धंधे का मुख्य संचालक बनकर ऐश की जिंदगी जी रहा था, पर उसका इंसान पूरी तरह मरा नहीं था। इसी बीच उसे गांव से खबर मिली कि अंकिता ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी। उसने किसी कोचिंग के बिना, घर के एक छोटे से कमरे में खुद को बंद कर दिन-रात स्वाध्याय किया और इस सत्र की नीट परीक्षा शानदार अंकों के साथ पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में अपनी सीट पक्की कर ली।

सजल के लिए यह खबर एक करारे तमाचे जैसी थी। जिसके साथ उसने समय बर्बाद किया था, वह अपनी मेहनत से डॉक्टर बनने जा रही थी और वह खुद एक अपराधी बनकर छिपा फिर रहा था। इसके तुरंत बाद उसे एक और भयानक समाचार मिला। पिछली जिस परीक्षा का पेपर सजल के सिंडिकेट ने आउट किया था, उसकी तैयारी सजल का एक बेहद घनिष्ठ, गरीब मित्र सालों से कर रहा था। पेपर लीक होने के कारण जब परीक्षा रद्द हो गई, तो वह योग्य मित्र इस गहरे सदमे और गरीबी से हारकर फांसी पर झूल गया। मित्र की खुदकुशी की खबर से सजल हिल गया। वह छिपते-छिपाते मित्र के गांव पहुंचा। श्मशान घाट पर जलती चिता और बूढ़े माता-पिता का क्रंदन देखकर दूर खड़े सजल का कलेजा फट गया, क्योंकि इस मौत के पीछे कहीं न कहीं उसका ही सिंडिकेट था। जलती चिता के सामने सजल ने एक कठोर संकल्प लिया। उसने पाप की कमाई पर थूका और सिंडिकेट को हमेशा के लिए छोड़ दिया। उसने तय किया कि वह फिर से वही मेधावी सजल बनेगा और खुद अपनी मेहनत से नीट पास करेगा। उसने निश्चय किया कि जब तक वह योग्य डॉक्टर नहीं बन जाता, तब तक न अंकिता से मिलेगा और न माता-पिता को अपना कलंकित चेहरा दिखाएगा। सजल शहर के एक सुदूर कोने में छोटा सा कमरा लेकर रहने लगा। पूरे एक वर्ष तक उसने दिन-रात एक कर दिया। अंकिता की सफलता और मित्र की चिता को याद कर वह हर रोज अठारह-अठारह घंटे पढ़ाई करने लगा। हालांकि, व्यवस्था के दंश से डरा उसका मन आशंकित था, इसलिए उसने प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर हर सुरक्षा पक्की कर ली ताकि परीक्षा में कोई विघ्न न आए। उसे पूरा विश्वास था कि अब उसकी तपस्या को सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। परीक्षा शुरू हुई। तीन दिन तक पेपर बहुत शानदार गए। सजल के चेहरे पर एक साल की कड़ी मेहनत के बाद पहली बार एक पवित्र मुस्कान आई। उसे लगा कि उसके जीवन का अंधकार छटने वाला है और वह अंकिता तथा अपने माता-पिता के काबिल बनने वाला है। लेकिन चौथे दिन सुबह जैसे ही वह परीक्षा केंद्र की ओर बढ़ा, वहां अफरा-तफरी मची थी। पुलिस की गाड़ियां थीं और छात्र सड़कों पर रो-चिल्ला रहे थे। सजल को पता चला कि प्रथम पेपर परीक्षा शुरू होने से महज आधे घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर आउट हो गया था, जिसके कारण सरकार ने पूरी परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। यह सुनते ही सजल के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया और उसके भीतर भी उसी आत्मघाती अवसाद ने जन्म ले लिया जिससे उसका मित्र गुजरा था। उसका मन हुआ कि वह भी इसी वक्त आत्महत्या कर ले। लेकिन तभी, निराशा के घने कोहरे के बीच उसके अंतर्मन से एक चीख सुनाई दी। उसे अपना अतीत याद आया, जब वह खुद इस सिंडिकेट का हिस्सा था और अपनी तिजोरियां भरने के लिए पेपर आउट करता था, तब देश के कोने-कोने में बैठे न जाने कितने होनहार युवाओं का भविष्य इसी तरह एक झटके में अंधकार में डूब जाता था। आज जब वह खुद उस दर्द से गुजरा, तो उसे अहसास हुआ कि उसने अपने हाथों से कितने मासूमों के सपनों की हत्या की थी। खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था। उसे अब समझ आ गया था कि व्यवस्था के इस कैंसर को बदले बिना कोई भी सपना कभी सुरक्षित नहीं रह सकता।

पुस्तक समीक्षा

अपने समय से संवाद का नाम है 'संजय उवाच'

समीक्षक
डॉ. लोकेन्द्र सिंह

मीडिया प्राध्यापक एवं लेखक प्रो. संजय द्विवेदी की नई पुस्तक 'संजय उवाच' उनके चुनिंदा और सारगर्भित भाषणों का उत्कृष्ट संग्रह है। अकादमिक जगत से लेकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्होंने जो व्याख्यान दिए, उनको पाठकों के लिए संपादित कर पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया है। ज्यादातर व्याख्यान मीडिया, भाषा और शिक्षा के मुद्दों पर केंद्रित हैं। इसलिए यह पुस्तक मीडिया के विद्यार्थियों एवं इस क्षेत्र में रुचि रखने वालों को अवश्य ही पढ़नी चाहिए। जिस दौर में मीडिया को लेकर अनेक प्रकार की बहस हवा में तैर रही हैं, तब उस बहस में भारतीय दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप प्रो. संजय द्विवेदी का नजर आता है। संवाद से सुंदर बनेगी दुनिया, जड़ों की ओर लौटे मीडिया और जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण- ये व्याख्यान मीडिया पर चल रही बहस को सार्थक दिशा देने का प्रयास हैं। इसके अलावा, पुस्तक में

भारत के नायकों, साहित्यकारों और समसामयिक विमर्श पर भी सारगर्भित विचार पढ़े जा सकते हैं। एक पंक्ति में कहें तो, इस पुस्तक में संकलित व्याख्यान पत्रकारिता, समाज, शिक्षा, भाषा और आज के समाज के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर एक सार्थक और सकारात्मक विमर्श प्रस्तुत करते हैं। प्रो. संजय द्विवेदी ने अपने समय के साथ जो संवाद किया है, उसको संकलित और संपादित करके 'संजय उवाच' के रूप में अपने पाठकों के सामने प्रस्तुत कर दिया है। यह एक प्रकार से प्रो. द्विवेदी के बौद्धिक हस्तक्षेप का दस्तावेजीकरण है। प्रो. द्विवेदी की भाषा इतनी सहज-सरल और सरस है कि लिखा हुआ भी हमें सुनाई देता है, जो सहज ही पाठकों के अंतर्मन तक अपनी छाप छोड़ने का सामर्थ्य रखता है। लेखक की चिंता के केंद्र में निरंतर 'भारतबोध' और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण झलकता है। इसके अलावा, प्रो. द्विवेदी ने प्रिंट और डिजिटल मीडिया के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का सूक्ष्म विश्लेषण किया है। वे स्पष्ट करते हैं कि तकनीकी बदलावों या सोशल मीडिया के आने मात्र से प्रिंट मीडिया का भविष्य खतरे में नहीं है। प्रो. द्विवेदी 'फेक न्यूज' और 'इन्फोडेमिक' (सूचनाओं के महाविस्फोट) के इस दौर में 'मीडिया साक्षरता' को न केवल छात्रों के लिए, बल्कि संपूर्ण समाज और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी अत्यंत अनिवार्य मानते हैं ताकि समाज में फैल रहे दुष्प्रभावों को रोका जा सके। उनका मानना है कि मीडिया का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि पाठकों को बौद्धिक रूप से उन्नत करना भी है। पुस्तक के प्रकाशन की गुणवत्ता बेहतरीन है। नई दिल्ली के शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स ने इसे प्रकाशित किया है। यह पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

कवि कॉर्नर

कविता — कमला राठी

मेरे प्रभु

बहुत गयी थोड़ी रही
बाक़ी भी चुक जाए
समय-समय का फेर है
कोई आए कोई जाए

मैं जिनको अपना कहूँ
वो सब तेरी देन
थकत नहीं जिह्वा मेरी
अपना-अपना कहन

सुख में साथ अनेक हैं
दुःख में लें मुख मोड़
सब की आशा छोड़ कर
बस एकहु से मन जोड़

सुख-दुःख तो दिन रैन हैं
एक आवै एक जाय
सुख के पीछे क्यूं पड़ें
जब दुःख में राम सहाय

कविता — प्रो. ज्योति राज

ग़रीबी

अनचुपड़ी रोटी सी
पैबंद लगी धोती सी
दरारों भरी सोटी सी
उलझी हुई चोटी सी
सताती है ग़रीबी

धुँधलाए चश्मे सी
घिसी चप्पल सी
अधछूटी तुरपाई सी
उधड़ी सीवन सी
लजाती है ग़रीबी

कुम्हलाए गात सी
थकी औरत जात सी
रूखे चावल भात सी
दर्द में डूबी रात सी
थकाती है ग़रीबी

बिगड़ी हुई बात सी
स्याही जमी दवात सी
पस्त पड़े परवाज़ सी
थेगलियों के टाट सी
चिड़ाती है ग़रीबी

साहित्य एक किस्म का यज्ञ : डॉ. लांगायन

व्यक्तित्व — डॉ. ओमप्रकाश कादयान

डॉ. रामभक्त लांगायन

आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई। साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक इनकी लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।

डॉ. रामभक्त लांगायन एक ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने साहित्यकार, समाजसेवक तथा एक ईमानदार उच्च अधिकारी के रूप में एक साथ नाम कमाया है। ये जहां कर्मठ, ईमानदार, मेहनती व सुलझे हुए आई.ए.एस. अधिकारी रहे, वहीं अनुभवी, ऊर्जावान, साहित्यकार तथा समर्पित समाज सेवी हैं। आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। विभिन्न पदों पर रहते हुए, अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई।

साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक डॉ. रामभक्त लांगायन द्वारा लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। नारी उत्थान के लिए, बेटियों के सम्मान के लिए, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए, हरियाणवी संस्कृति के प्रचार-प्रसार, संत-महात्माओं के विचार आम आदमी तक पहुंचाने के लिए, धर्म को जानने व शहीदों के गुणगान के लिए डॉ. रामभक्त लांगायन ने अनेक पुस्तकें लिखी हैं। इनका मानना है कि आज मशीनरी के युग में बहुत जरूरी हो गया है कि हम देश के युवाओं व विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व प्रकृति से प्रेम करना सिखाएं, वो अपने देश व समाज के उत्थान की सोचें। वो केवल अपने लिए न जीकर दूसरों का भी सम्मान करें। वो अपने देश को, समाज को, प्रकृति को, अपनी संस्कृति को जानें। इन सबके लिए पुस्तकें सबसे अच्छा माध्यम हैं। इसलिए मैं प्रयास करता हूं कि मैं बच्चों को, युवाओं को प्रेरणा देने वाली पुस्तकें दे सकूं। लेखक का मानना है कि साहित्य एक किस्म का यज्ञ है। अच्छा साहित्य अच्छे समाज का निर्माण करता है। समाज में जब भी कोई बड़ा परिवर्तन हुआ है उसके पीछे साहित्य की शक्ति छुपी होती है। कई बार सारगर्भित कुछ पंक्तियां ही लोगों का विचार व भावना बदल देती हैं। इसलिए साहित्य का अध्ययन हम सबको करना चाहिए। बच्चों व युवाओं के मन पर तो श्रेष्ठ साहित्य गहरा असर डालता है। अगर हम विद्यार्थियों या युवाओं को अच्छी-अच्छी कहानियां, कविताएं और महापुरूषों की जीवनियां पढ़ने के लिए देंगे तो वे अवश्य महापुरूषों के पदचिन्हों पर चलेंगे। डॉ. लांगायन संस्कृत व हिंदी दोनों भाषाओं में एक साथ लिख रहे हैं। इन्हें भारतीय संस्कृति से गहरा लगाव है। जीवन के उदात मूल्यों में इनकी गहरी आस्था है। यही कारण है कि इनका साहित्य भी इसी तरह का है। ये साहित्य के माध्यम से बच्चों में राष्ट्रभक्ति व संस्कार भरना चाहते हैं। डॉ. रामभक्त लांगायन का संपूर्ण जीवन इन्हीं आदर्श जीवन-मूल्यों पर आधारित है। इसके साथ-साथ डॉ. लांगायन दलित समाज के उत्थान का कार्य कर रहे हैं। ये निर्धन, निस्सहाय बच्चों की शिक्षा का उचित प्रबंध भी करते हैं ताकि उनका भावी जीवन श्रेष्ठ हो सके। वर्तमान में ये अम्बेडकर छात्रावास के माध्यम से उनके सामाजिक, शैक्षणिक संरक्षण व उत्कर्ष का उत्तम कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कॉलेज समय से पहले ही लिखने का शौक था। पत्र-पत्रिकाओं में लेख छपते रहते थे। धीरे-धीरे पुस्तक प्रकाशन आरंभ हुआ।

फिलहाल संत रविदास के जीवन चरित्र पर एक पुस्तक प्रकाशित हो चुकी हैं। दो पुस्तकें प्रकाशाधीन हैं। 15 अगस्त 1946 को रोहतक के सुडाना गांव में जन्मे, वैश्य कॉलेज, पंजाबी विश्वविपटियाला, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र से शिक्षा ग्रहण करने वाले साहित्यकार, डॉ. रामभक्त लांगायन आजकल कुरूक्षेत्र में रह रहे हैं।

कुछ हटकर

बी.टेक एरोनॉटिकल के बाद एविएशन, रक्षा क्षेत्र में अवसर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (बी.टेक एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग) चार वर्षीय तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, स्पेसक्राफ्ट और एयरोस्पेस प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और रखरखाव की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः एरोडायनामिक्स, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर, प्रोपल्शन सिस्टम, फ्लाइट मैकेनिक्स, एवियोनिक्स, गैस टर्बाइन इंजन, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, कंट्रोल सिस्टम्स, थर्मोडायनामिक्स और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

उद्योगों में महत्व

इन विषयों का उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। एरोडायनामिक्स विमान की गति, स्थिरता और ईंधन दक्षता को निर्धारित करता है, जबकि प्रोपल्शन सिस्टम विमान को शक्ति प्रदान करने वाली तकनीकों को समझाता है।

विशेषज्ञताएं

- एवियोनिक्स सिस्टम
- प्रोपल्शन एवं इंजन टेक्नोलॉजी
- ड्रोन एवं यूएवी टेक्नोलॉजी
- स्पेस एवं रॉकेट प्रौद्योगिकी
- फ्लाइट टेस्टिंग एवं मेंटेनेंस
- कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स (सीएफडी)
- रक्षा एवं मिसाइल तकनीक
- एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग
- एयर ट्रांसपोर्ट एवं एविएशन मैनेजमेंट।

इनका प्रत्यक्ष उपयोग विमान निर्माण, रक्षा अनुसंधान, स्पेस मिशन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एयरलाइन संचालन आदि में होता है।

आवश्यक कौशल

तकनीकी ड्रॉइंग एवं डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स एवं सिमुलेशन टूल्स का ज्ञान, एयरक्राफ्ट सिस्टम एवं एवियोनिक्स की कार्यप्रणाली की समझ, समस्या समाधान एवं विश्लेषणात्मक सोच, अनुसंधान एवं तकनीकी नवाचार क्षमता, परियोजना प्रबंधन आदि।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- रक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
- डीआरडीओ वैज्ञानिक/इंजीनियर पद
- इसरो वैज्ञानिक एवं तकनीकी पद

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):

- फ्रेशर: लगभग ₹5.0–₹9.0 लाख वार्षिक (विभाग अनुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹12–₹25 लाख वार्षिक; रक्षा एवं अनुसंधान संगठनों में अतिरिक्त भत्ते एवं सुविधाएँ उपलब्ध

निजी क्षेत्र में विकल्प

- एयरक्राफ्ट डिजाइन एवं निर्माण
- डिजाइन इंजीनियर, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर इंजीनियर
- प्रोडक्शन इंजीनियर
- क्वालिटी कंट्रोल एवं टेस्टिंग इंजीनियर,

आय सीमा : फ्रेशर: लगभग ₹4.0–₹8.0 लाख वार्षिक
अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग ₹10–₹28 लाख वार्षिक; अंतरराष्ट्रीय एविएशन कंपनियों/रक्षा परियोजनाओं में अधिक अवसर सम्भव।

सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

अनुशासन बनाम मोटिवेशन स्थायी सफलता का सूत्र

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

1. मोटिवेशन का आकर्षण, अनुशासन की शक्ति
आज का युवा मोटिवेशनल वीडियो, रील्स और प्रेरणादायक भाषणों से भरा हुआ है। कुछ मिनटों के लिए ऊर्जा बढ़ती है, लक्ष्य स्पष्ट दिखने लगता है और हम सोचते हैं "अब सब बदल जाएगा।" कुछ ही दिनों में वही उत्साह कम हो जाता है। यही कारण है कि केवल मोटिवेशन पर निर्भर रहना स्थायी सफलता की गारंटी नहीं है।मोटिवेशन क्षणिक होता है, अनुशासन स्थायी।

2. मोटिवेशन क्यों टिकता नहीं?
मोटिवेशन भावनाओं पर आधारित होता है। जब हम किसी सफलता की कहानी सुनते हैं या किसी उपलब्धि से प्रभावित होते हैं, तो भावनात्मक रूप से प्रेरित हो जाते हैं। लेकिन भावनाएं स्थायी नहीं होतीं। भारतीय युवाओं के सामने आज प्रतियोगी परीक्षाएँ, करियर की अनिश्चितता और सोशल मीडिया का दबाव है। ऐसे में केवल प्रेरणा के भरोसे चलना मुश्किल है।

3. अनुशासन: रोज़ की छोटी जीत
अनुशासन का अर्थ है अपने लक्ष्य के अनुसार रोज व्यवहार करना, चाहे मन करे या न करे। रोज छोटे-छोटे नियम अपनाएं। साधारण नियम ही असाधारण परिणाम देते हैं।

4. सोशल मीडिया के दौर में आत्म-नियंत्रण
आज सबसे बड़ी चुनौती है, ध्यान भटकना। रील्स, गेम्स, लगातार नोटिफिकेशन, ये सब समय और ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर देते हैं। अनुशासन का अर्थ है अपने समय और ध्यान पर नियंत्रण। जो युवा स्वयं पर नियंत्रण रखता है, वही अपने लक्ष्य पर नियंत्रण पा सकता है।

5. सफलता का वैज्ञानिक दृष्टिकोण
सफलता अचानक नहीं आती। यह आदतों का परिणाम होती है। जब आप रोज एक ही समय पर मेहनत करते हैं, तो आपका मस्तिष्क उस रूटीन का आदी हो जाता है। धीरे-धीरे वही काम आपकी पहचान बन जाता है। अनुशासन का जितना अभ्यास करेंगे, उतना मजबूत होगा।

लघु कथा

भूल-सुधार

सब्जी काटते-काटते उसे पता ही नहीं लगा कि ऊंगली से खून बह रहा है।
पतीली के ढक्कन पर लाल-लाल बूंदें दिखी तो ध्यान गया। दर्द तो कब का हो रहा था।
परन्तु इन दर्दों की परवाह करने बैठ गयी तो ...।

आशा खत्री 'लता'
कहानीकार

देखा काफी गहरा घाव था। खून को थामने के प्रयास में पांच मिनट विलम्ब हो गया। तुरत-फुरत बिटिया का टिफिन तैयार किया। टिफिन पर शायद आटे के कुछ कण चिपक गए थे। बेटी ने एक बार टिफिन को देखा और फिर उसे घूरा।
'बेटा, ऊंगली कट गयी थी।'
उसने कुछ सहानुभूति की उम्मीद लिए बेटी की ओर देखते हुए कटी ऊंगली को दूसरे हाथ की ऊंगलियों से दबाते हुए कहा।
बेटी ने घूरते हुए उसकी ओर देखा और हाई हील की सेंडिल खट-खट करती हुए बाहर निकल गयी।
शकुन धम से कुर्सी पर गिर गयी। कितना खटती है वह दिन-रात, सब वक्त पर तैयार, सबके स्वाद का ध्यान। किसी से कुछ कहना नहीं, किसी से कुछ अपेक्षा नहीं, फिर भी दो शब्द अपनेपन के नहीं उसके लिए।
उसे लगा कहीं बेटी को जिंदगी का पाठ पढ़ाने में उसी से तो कोई गलती नहीं हो गई।
दिन भर इसी पर मंथन करते वह निष्कर्ष पर पहुंच चुकी थी।
अगले दिन- 'उठो तनु आज खाना खुद बना कर ले जाना है।'
मैं कैंटीन से कुछ ले लूंगी
'ले लेना, पर पापा के लिए तो बना दो, मेरी ऊंगली में दर्द है।'
'आज से पहले तो आपने मुझ से कुछ करवाया नहीं ?'
'हां तनु, पर वह मेरी गलती थी, जिसे मैं और आगे नहीं ले जाना चाहती। धूप-छांव का अहसास तो तभी होगा, जब सफ़र पर निकलोगी।'
कहते हुई शकुन घर के दूसरे कामों में व्यस्त हो गई।

खबर संक्षेप

फाइटर पायलट बन इशिता ने रचा इतिहास

हिसार। इन्द्रा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट परिवार से वर्षों से जुड़े शिक्षक चरण सिंह की पुत्री इशिता ने एनडीए के प्रथम महिला बैच से फाइटर पायलट बनकर इतिहास रचा है। यह उपलब्धि केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज, हरियाणा और देश की प्रत्येक बेटी के लिए प्रेरणा है। इन्द्रा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक रजत गुप्ता ने कहा कि जब माता-पिता बच्चों में बचपन से ईमानदारी, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और बड़े सपने देखने का साहस भरते हैं, तब ऐसी बेटियाँ जन्म लेती हैं जो पूरे राष्ट्र का गौरव बनती हैं। इशिता की सफलता इस बात का जीवंत उदाहरण है कि सही संस्कार, कड़ी मेहनत और अटूट संकल्प किसी भी लक्ष्य को संभव बना सकते हैं।

हिसार। सड़क का शुभारंभ करवाते पार्षद संजय डालमिया।

पार्षद ने कराया सड़क निर्माण का शुभारंभ

हिसार। वार्ड 13 के पार्षद संजय डालमिया ने विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मेयर प्रवीण पोपली, विधायक प्रतिनिधि जगदीश जिंदल, ललित शर्मा, पार्षद जगमोहन मित्तल एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। इस अवसर पर पार्षद संजय डालमिया ने कहा कि विधायक सावित्री जिंदल सदैव हिसार के विकास, जनसेवा और नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए समर्पित रही हैं। उनके विचार और प्रेरणा से वार्ड 13 में निरंतर विकास कार्य करवाए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र की तस्वीर बदल रही है।

मानी हुई मांगें शीघ्र लागू नहीं की गईं तो करेंगे आंदोलन : नरसिंह सहारण

राज्य कार्यकारिणी का प्रतिनिधिमंडल 24 को डायरेक्टर से मांगेगा जवाब

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन (हेमसा) ने शिक्षा विभाग में लंबित मांगों को लेकर विभागीय उदासीनता पर गहरा रोष व्यक्त किया है। संगठन का आरोप है कि 11 फरवरी को शिक्षा सदन, पंचकूला में हुए आंदोलन के बाद डायरेक्टर से केंद्री एजुकेशन के साथ हुए समझौते को चार माह बीत जाने के बावजूद अब तक लागू नहीं किया गया है। हेमसा के अनुसार उस समय हुई वार्ता में तत्काल स्थानांतरण प्रक्रिया शुरू करने, सेवा नियमों में छूट देकर रिक्त पदों पर पदोन्नति करने,

शिक्षा विभाग में लंबित मांगों को लेकर विभागीय उदासीनता पर जताया गहरा रोष

हिसार। सम्मेलन में उपस्थित पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

जिला शिक्षा अधिकारियों को एसीपी एवं सीसीएल स्वीकृत करने की शक्ति प्रदान करने तथा नूंह और मोरनी जैसे कठिन क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों को 10,000 रुपए विशेष भत्ता देने सहित कई महत्वपूर्ण मांगों पर सहमति बनी थी। विभाग ने इन मांगों को एक माह के भीतर लागू करने का आश्वासन भी दिया था, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। राज्य प्रधान संदीप सांगवान के नेतृत्व में शिक्षा सदन, पंचकूला पहुंचे प्रतिनिधिमंडल को बताया गया कि संबंधित फाइलें अभी भी प्रक्रिया में हैं। संगठन ने इसे कर्मचारियों के साथ किया गया वादा खिलाफी करार दिया है। हेमसा नेताओं ने कहा कि समझौते के आधिकारिक मिनट्स तक जारी नहीं किए गए हैं, जिससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है।

आंदोलन की रूपरेखा हो चुकी है तैयार

राज्य महासचिव हितेंद्र सिहाग ने बताया कि 31 मई को आयोजित राज्य कार्यकारिणी की बैठक में कर्मचारियों से प्राप्त सुझावों के आधार पर आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गई है। आंदोलन के प्रथम चरण में 24 जून को राज्य कार्यकारिणी का प्रतिनिधिमंडल शिक्षा सदन, पंचकूला पहुंचकर डायरेक्टर सेकेंडरी एजुकेशन से मानी हुई मांगों के क्रियान्वयन में हो रही देरी पर जवाब मांगेगा। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में 20 जुलाई तक प्रदेश के सभी जिलों में विस्तारित बैठकें आयोजित कर कर्मचारियों को संगठित किया जाएगा।

त्रिवर्षीय सम्मेलन हुआ

आंदोलन की तैयारी के तहत आज खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, हिसार-1 में हेमसा-एसकेएस ब्लॉक हिसार-1 की बैठक एवं त्रिवर्षीय सम्मेलन आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान सुधीर मालिक ने की। सम्मेलन में राज्य महासचिव हितेंद्र सिहाग, वरिष्ठ नेता मंगल सिंह तथा नरसिंह सहारण मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन में सर्वसम्मति से दूसरी बार सुधीर मालिक को प्रधान, रामनिवास को वरिष्ठ उपप्रधान, राजकुमार को सचिव, सुनीता एवं प्रोमिला को उपप्रधान, अमित कुमार को कोषाध्यक्ष, श्यामू को ऑडिटर तथा वीरेन्द्र एवं सोनू को प्रेस सचिव चुना गया। नरसिंह सहारण ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि विभाग ने शीघ्र ही मानी हुई मांगों को लागू नहीं किया तो आंदोलन छेड़ेंगे।

हिसार। बैठक में उपस्थित जिला अध्यक्ष बृजलाल एवं अन्य नेता। *फोटो: हरिभूमि*

मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए सतर्कता जरूरी

■ एसआईआर अभियान को लेकर पूरी तरह सजग है कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार एवं प्रदेश अध्यक्ष राव नरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में नलवा विधानसभा क्षेत्र के बीएलए-2 कार्यकर्ताओं की बैठक कांग्रेस भवन में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने की। बैठक में चुनाव आयोग के निर्देशों पर एसआईआर अभियान के अंतर्गत बूथ स्तर पर किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सभी बीएलए-2 कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्य के प्रति पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय रहने का आह्वान किया गया। जिलाध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बूथ स्तर तक अपने संगठन को मजबूत करते हुए मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी बीएलए-2 कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करने, आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देने तथा मतदाता सूची से संबंधित प्रत्येक प्रक्रिया पर सतर्क निगरानी रखने का आह्वान किया।

आज से तीसरा चरण

बैठक में कार्यकर्ताओं को बताया गया कि 15 जून से एसआईआर अभियान का तीसरा चरण प्रारंभ होने जा रहा है, जिसके अंतर्गत मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने का कार्य किया जाएगा। सभी मतदाताओं से अपील की गई कि वे अपने पासपोर्ट आकार के नवीनतम रंगीन फोटो एवं आवश्यक दस्तावेज पहले से तैयार रखें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके। बैठक में नलवा विधानसभा क्षेत्र के सभी संबंधित बीएलए-2 कार्यकर्ता एवं कांग्रेस पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सांसद जयप्रकाश से मिली ग्रेपलिंग की धुरंधर टीम

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

असम में खेल कर आई हिसार की धुरंधर टीम ने सांसद जयप्रकाश से मुलाकात की। सांसद ने बच्चों को शुभकामनाएं व आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना है। उन्होंने टीम हेड नीलम सैनी को भी शुभकामनाएं देते हुए बच्चों के लिए इंटरनेशनल खेलने के लिए हर संभव मदद करने को कहा ताकि बच्चे आगे बढ़ कर हमारे भारत देश का परचम पूरे विश्व में लहरा सकें। सांसद जयप्रकाश ने कहा कि यह बहुत ही अच्छा कदम है। जब बच्चे खेलों से जुड़े रहेंगे तो नशे से भी दूर रहेंगे। हमारी आज की पीढ़ी को खेलों की तरफ लाना बहुत ही आवश्यक है और वे हर संभव प्रयास करेंगे कि बच्चे खेलों की तरफ आए और उनकी मदद की जाए ताकि उन्हें कोई दिक्कत का सामना न करना पड़े। सामाजिक कार्यकर्ता एवं टीम हेड नीलम सैनी ने बताया कि सांसद जयप्रकाश ने बच्चों की पूरी मदद करने को कहा है। हिसार धुरंधर टीम के खिलाड़ी अपने आसपास से नशा दूर करने के लिए बच्चों को फिजिकल फिटनेस की ट्रेनिंग देकर खेलो को बढ़ावा दे रहे है ताकि अपना हिसार स्वस्थ हिसार बन सके।

सांसद ने हरसंभव मदद का दिया भरोसा

सांसद जयप्रकाश से मिलते टीम धुरंधर व पदाधिकारी।

जमानत पर बाहर आए अपराधियों पर पुलिस की विशेष नजर

हिसार। अपराध नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत एनडीपीएस एक्ट, अवैध शस्त्र अधिनियम तथा अन्य गंभीर आपराधिक मामलों में जेल से जमानत पर बाहर आए अपराधियों की विभिन्न पुलिस टीमों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। इस विशेष अभियान के तहत जिला पुलिस की टीमें ऐसे व्यक्तियों के घर-घर जाकर उनकी गतिविधियों की समीक्षा कर रही हैं तथा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि वे दोबारा किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में शामिल न हों। साथ ही संबंधित व्यक्तियों को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी जा रही है कि कानून का उल्लंघन करने पर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी सिद्धांत जैन ने कहा कि जिला पुलिस केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई नहीं कर रही, बल्कि अपराध की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सक्रिय निगरानी भी कर रही है।

हिसार पुलिस की कड़ी निगरानी, घर घर जाकर हो रही जांच

पुलिस के नशा मुक्ति अभियान से गांव प्रभुवाला में जगी उम्मीद की किरण

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

पुलिस की नशा मुक्ति पुलिस टीम ने उकलाना क्षेत्र के गांव प्रभुवाला में विशेष जनजागरूकता एवं पुनर्वास अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य केवल नशे के खिलाफ कार्रवाई करना नहीं बल्कि नशा पीड़ितों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उनके परिवारों को सहयोग प्रदान करना रहा। अभियान के दौरान नशा मुक्ति टीम ने गांव के लोगों एवं परिवारों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। ग्रामीणों को बताया गया कि नशा शरीर, मानसिक स्थिति, आर्थिक और सामाजिक जीवन पर प्रभाव डालता है।

हिसार। युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करती पुलिस टीम। *फोटो: हरिभूमि*

पीड़ितों की पहचान की गई

अभियान के तहत पांच नशा पीड़ितों की पहचान की गई। इनमें से तीन नशा पीड़ितों को जिले के नागरिक अस्पताल से एलोपैथिक एवं आयुर्वेदिक दवाइयां उपलब्ध करवाई गईं। इसके अतिरिक्त सात नशा पीड़ितों को पहली बार उनके घर जाकर आयुर्वेदिक दवा उपलब्ध करवाई गई तथा उनकी काउंसलिंग भी की गई, वहीं चार नशा पीड़ितों को जिले के नागरिक अस्पताल से दूसरी बार उपचार के लिए अंग्रेजी एवं आयुर्वेदिक दवाई दिलवाई गई। इस प्रकार कुल 14 नशा पीड़ितों तक उपचार एवं परामर्श सेवाएं पहुंचाई गईं।

रक्तदान मानवता की सच्ची सेवा : रतेरिया

■ विश्व रक्तदाता दिवस पर लोकहित मंच, हांसी द्वारा रक्तदाताओं को किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था लोकहित मंच, हांसी की ओर से भव्य रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 50 से अधिक बार स्वैच्छिक रक्तदान करने वाले अजय नामदेव, अमरजीत पान्नू, प्रवीण गोयल, हरीश मिगलानी, विजेंद्र इंसा, विपिन हिंदुस्तानी, शिवचरण सैनी, राधेश्याम सैनी, दीपक बड़सी, रामनिवास लोहान, डॉ. मोहिंद्र सिंह, देवेंद्र सैनी, राजकुमार इंसा, नरेन्द्र भयाणा भाई जी होटल वाले, पवन सिंगला, विपिन बाबा, मनोज कुमार, हरीश पाहूजा, विनोद कुमार, राजेंद्र कुमार सहित 21 रक्तवीरों को उनके उत्कृष्ट सामाजिक योगदान एवं मानव सेवा के लिए विशेष रूप से प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

हांसी। रक्तदाताओं को सम्मानित करते लोकहित मंच के सदस्य।

संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट धर्मवीर रतेरिया की अध्यक्षता मे आयोजित कार्यक्रम में युवा मित्र मंडल, जींद के अध्यक्ष पवन सिंगला विशिष्ट अतिथि ने रूप मे शिरकत की।

इस अवसर पर लोकहित मंच के अध्यक्ष एडवोकेट धर्मवीर रतेरिया ने अपने संबोधन में सम्मानित रक्तदाताओं के निस्वार्थ योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके द्वारा समय-समय पर किए गए रक्तदान से अनेक जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिला है, जो समाज सेवा का सर्वोत्तम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पवन सिंगला ने कहा कि विश्व रक्तदाता दिवस उन महान लोगों को समर्पित है जो बिना किसी स्वार्थ के रक्त का दान कर दूसरों के जीवन की रक्षा करते हैं। संस्था के महासचिव मनमोहन तायल, कोषाध्यक्ष सुशील गुप्ता, पवन गोयल एडवोकेट, दिनेश शर्मा, बलराम शर्मा, दिनेश गोयल, शुभम सिंगला आदि सदस्यों सहित श्री विष्णु भगवान मंदिर ट्रस्ट के सचिव प्रवीण बंसल, मंदिर ट्रस्ट के प्रबंधक पंडित रत्न लाल शर्मा, अनिल सोनी, चेतन अरोड़ा, अनिता सैनी, मनीषा, बुलबुल सहित अन्य प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

हिसार। रक्तदान शिविर में रक्तदान करते लायंस क्लब के पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

शिविर में 41 यूनिट रक्त संग्रहित

हिसार। रीजन-7 के सभी लायंस क्लबों के संयुक्त सहयोग एवं रीजन गवर्नर एमजेएफ प्रवीन नारंग की अध्यक्षता में सर्वेश हेल्थ सिटी के सहयोग से एक मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस सेवा अभियान में कुल 41 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विशाल वढेरा, वीडीजी-1 (ई) महेश बंसल, डीसीटी पवन सरदाना, जोन चेयरमैन राजेश सरदाना, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर मुकेश बजाज, नीरज वर्मा सहित अनेक गणमान्य क्लब सदस्य मौजूद रहे। शिविर में मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे डॉ. उमेश कालड़ा ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक व्यक्ति द्वारा दान की गई एक यूनिट रक्त, चार लोगों का जीवन बचाने में सहायक हो सकती है। उन्होंने बताया कि नियमित रक्तदान न केवल जरुरतमंदों के जीवन की रक्षा करता है, बल्कि रक्तदाता को भी कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है तथा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाने में सहायक होता है।

साहित्यकार जयभगवान सैनी मानद उपाधि से सम्मानित, बाल कविता संग्रह का हुआ विमोचन

हिसार। वरिष्ठ साहित्यकार जयभगवान सैनी को शैली साहित्यिक मंच की ओर से आयोजित सम्मान समारोह व काव्य गोष्ठी में मानद उपाधि (डॉक्टरेट) से सम्मानित किया गया। इस दौरान जयभगवान सैनी द्वारा रचित बाल कविता संग्रह सोनू-मोनू का विमोचन भी किया गया। रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में शैली साहित्यिक मंच के संरक्षक डॉ. मधुकांत, अध्यक्ष डॉ. चंद्रधर शर्मा व उपाध्यक्ष पवन मित्तल सहित काफी गणमान्य लोग व साहित्यकार मौजूद रहे। साहित्यकार जयभगवान सैनी ने बताया कि वे अनवरत रूप से साहित्य सृजन में जुटे हुए हैं और साहित्य की विभिन्न विधाओं में कई पुस्तकों का सृजन कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि काशी हिंदी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा मानद उपाधि प्रदान करने से उनका हौसला बढ़ा है। जयभगवान सैनी ने कहा कि उनका उद्देश्य श्रेष्ठ साहित्य सृजन करके समाज को जागृत करना है। उन्होंने बताया कि इस समारोह में उनके द्वारा रचित काव्य संग्रह सोनू-मोनू का विमोचन भी किया गया। इस पुस्तक में बच्चों की मनोभावनाओं को कविताओं के रूप में संजोया गया है।

हिसार। साहित्यकार जयभगवान सैनी को मानद उपाधि प्रदान करते वरिष्ठ साहित्यकार व अतिथिगण। *फोटो: हरिभूमि*

हिसार। नवनियुक्त चेयरमैन रवि सैनी को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं देते मुख्यमंत्री नायब सैनी। *फोटो: हरिभूमि*

सीएम से मिले वन विकास निगम के नवनियुक्त चेयरमैन रवि सैनी

हिसार। हरियाणा वन विकास निगम के नवनियुक्त चेयरमैन रवि सैनी ने रविवार को चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने हरियाणा वन विकास निगम के चेयरमैन पद पर नियुक्त किए जाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष एवं नगर निगम के पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर अनिल सैनी मानी भी उनके साथ मौजूद रहे। मुलाकात के दौरान रवि सैनी ने मुख्यमंत्री को विश्वास दिलाया कि वे सरकार की जनहितकारी नीतियों और प्रदेश में वन संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन से जुड़े उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि निगम के माध्यम से हरियाणा में हरित क्षेत्र बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण को मजबूत करने तथा सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने रवि सैनी को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में हरियाणा वन विकास निगम प्रदेश के पर्यावरणीय विकास और वन संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर विभिन्न संगठनात्मक एवं विकासात्मक विषयों पर भी चर्चा हुई।

हिसार। नाटक का मंचन करते कलाकार। *फोटो: हरिभूमि*

'अरे शरीफ लोग' नाटक का हुआ मंचन

हिसार। हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के सहयोग से नाटककार जयंत दलवी द्वारा रचित सामाजिक व्यंग्य नाटक 'अरे शरीफ लोग' का राजगढ़ रोड स्थित राजकीय महाविद्यालय के सभागार में मंचन किया गया। निर्देशन वरिष्ठ रंग निर्देशक राज बहादुर आर्य ने किया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईपीएस डॉ. दलबीर भारती थे। उन्होंने कहा कि रंगमंच समाज का दर्पण है तथा ऐसे नाटक सामाजिक कुरीतियों और दोहरे चरित्र को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह नाटक समाज में व्याप्त दिखावे, स्वार्थ और तथाकथित 'शराफत' के मुखौटों पर करारा व्यंग्य करता है। एक मकान में रहने वाले विभिन्न पात्र स्वयं को सभ्य और शरीफ मानते हैं, लेकिन परिस्थितियों के बदलने पर उनके असली चेहरे सामने आ जाते हैं। इस नाटक में कलाकार जय कुमार शर्मा ने अनोखे लाल का किरदार निभागया। मेजर ईशा ने लक्ष्मी, अक्षय कौशिक ने पंडित जी, बिंदिया ने कलावती, सुशील कुमार ने डॉक्टर घाटक, सपना ने सरला, सूरज कुमार ने मास्टर जी, शशि आर्य ने मास्टर जी की पत्नी, सुनील कुमार ने गोपी, राज बहादुर आर्य ने मकान मालिक पात्र की भूमिका निभाई।

अनुष्ठान यज्ञ केवल कर्मकाण्ड नहीं, राष्ट्र निर्माण का वैज्ञानिक अभियान

108 कुण्डीय वैदिक हवन-यज्ञ से गूंजा हिसार, यज्ञ संस्कृति के संरक्षण का संकल्प

■ योग-प्राणायाम एवं हवन प्रशिक्षण के माध्यम से नई पीढ़ी को वैदिक संस्कृति से जोड़ने का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

भारत स्वाभिमान न्यास एवं पतंजलि योग समिति के तत्वावधान में ठाकुरदास भार्गव सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चल रहे 15 दिवसीय असिस्टेंट योग टीचर ट्रेनिंग कैंप एवं बाल संस्कार-चरित्र निर्माण शिविर के 8वें दिन वैदिक संस्कृति, योग साधना एवं यज्ञ परम्परा का संगम देखने को मिला। शिविर में 108 कुण्डीय वैदिक हवन-यज्ञ में बड़ी संख्या में साधकों, प्रशिक्षुओं एवं नागरिकों ने श्रद्धापूर्वक आहुति देकर विश्व कल्याण, पर्यावरण शुद्धि एवं राष्ट्र समृद्धि की कामना की। शिविर के प्रथम सत्र में योगाचार्यों ने योगासन, प्राणायाम, सूक्ष्म व्यायाम एवं उन्नत योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया। योग के माध्यम से स्वस्थ शरीर, प्रसन्न मन और अनुशासित जीवन का संदेश दिया गया।

हिसार। हवन करते आयोजक व पदाधिकारी तथा योगाभ्यास करते बच्चे।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में विद्यालय के सचिव डॉ. जगदीप भार्गव, पार्षद संजय डालमिया, ईश आर्य, रामकुमार आर्य, देवकीनन्दन एडवोकेट, अजय एलावादी, सुरेन्द्र पानू हिन्दुस्तानी, सुनील कक्कड़, राजेश कुमार, डॉ. राजन वर्मा, नरेन्द्र सिंगल, डॉ. त्रिभुवन, राधाकृष्ण, राजेन्द्र गोदारा, अनुराग आर्य, शकुन्तला, शारदा गोदारा, सीमा, सुनीता गर्ग, आभिषेक, ओमप्रकाश, राधेश्याम, मीरा, अनिल जैन, लक्ष्मी, प्रतिभा, भाविका, संजय, देवेन्द्र, राजेन्द्र, कविता संजीव, कृष्णा, राजबीर, तारा, जीसी नारंग, चन्द्र सिंह, सुनील कुमार, वेदप्रकाश, राजेन्द्र गुप्ता, शमशेर, कमलेश, नरेन्द्र वशिष्ट, उदयवीर, राजेन्द्र व अन्य उपस्थित रहे।

'हमारा प्यार हिसार' ने टाउन पार्क के सामने बदरंग दीवार को सुंदर रूप दिया

हिसार। शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाने के अपने सतत प्रयासों के तहत सामाजिक संस्था 'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने रविवार को टाउन पार्क के सामने स्थित एक बदरंग दीवार को टेराकोटा पेंट से नया एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया। इस अभियान का उद्देश्य शहर के सार्वजनिक स्थलों को सौंदर्यपूर्ण बनाना तथा नागरिकों में स्वच्छता एवं सामाजिक सहभागिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। अभियान के दौरान टीम के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान करते हुए दीवार की सफाई, रंग-रोगन एवं आसपास के क्षेत्र की स्वच्छता सुनिश्चित की। सदस्यों ने मिलकर न केवल दीवार को सुंदर रूप दिया, बल्कि आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ एवं आकर्षक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। संस्था के सदस्यों ने कहा कि 'हमारा प्यार हिसार' का उद्देश्य शहर के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों को सुंदर बनाकर नागरिकों में अपने शहर के प्रति अपनत्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है।

खबर संक्षेप

सड़क हादसे में मौत, आरोपी बस चालक काबू

आदमपुर। पुलिस ने सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मामले में आरोपी बस चालक हिसार की शिव कॉलोनी निवासी विनोद सिंह को जांच में शामिल करके बस को कब्जे में लिया है। थाना प्रभारी डीएसपी प्रिया शर्मा ने बताया कि 30 मई को गदली गांव निवासी अश्वनी की शिकायत पर आरोपी बस चालक पर केस दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार उसके चाचा जब अपनी कार से किसी काम से आदमपुर जा रहे था तो आरोपी बस की टक्कर कार में लग गई थी। इसमें गंभीर रूप से घायल दीनदयाल की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इसी मामले में पुलिस ने आरोपी चालक विनोद सिंह को जांच में शामिल करके बस को कब्जे में लिया है।

दिव्यांग केंद्र में निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर 16 को

हिसार। हरियाणा भारत विकास फाउंडेशन द्वारा संचालित दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में 16 जून को निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर लगाया जाएगा। इंडोटेक एलिवेटर्स प्रा. लि. के सहयोग से लगने वाले इस शिविर में आंखों के सफेद मोतियाबिंद से पीड़ित 20 जरूरतमंद लोगों का अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा फ्री ऑपरेशन किया जाएगा। इस शिविर में इंडोटेक एलिवेटर्स प्रा. लि. के डायरेक्टर दीपेश आर्य व जयबीर की विशेष भूमिका रहेगी।

दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष डॉ. रोशनलाल गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष सीए रामनिवास अग्रवाल व सचिव मांगेराम गुप्ता ने कहा कि यह पुनीत सेवा कार्य उन लोगों के जीवन में पुनः प्रकाश लाने का प्रयास है, जो आर्थिक अभाव के कारण अपनी आंखों का उपचार नहीं करवा पाते। एक सफल मोतियाबिंद ऑपरेशन किसी व्यक्ति को केवल दृष्टि ही नहीं लौटाता बल्कि उसके जीवन में आत्मविश्वास, स्वावलंबन और नई आशा का संचार भी करता है। हम इंडोटेक एलिवेटर्स प्रा. लि. के प्रबंधन एवं समस्त टीम का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस मानवीय सेवा कार्य के लिए तत्परता दिखाई।

खुद को कभी भी दूसरों से कम न समझें : नेहा

बरवाला। गांव खरक पूनिया में स्थित एएम इंटरनेशनल स्पोर्ट्स स्कूल में आयोजित बाल संस्कार शिविर संपन्न हो गया। इस शिविर के अंतिम दिन मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी वार्ड नं. 10 बरवाला निवासी नेहा रोहलन ने शिरकत की और अध्यक्षता स्कूल प्रिंसिपल डॉक्टर सुदेश चहल पूनिया ने की। मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी नेहा रोहलन का स्कूल में पहुंचने पर तिलक लगाकर और पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि कराटे खिलाड़ी नेहा रोहलन ने अपने संघर्ष के सफर को छात्र-छात्राओं के साथ सांझा किया और आत्मरक्षा हेतु कराटे के गुर सिखाए। ताकि मुसीबत आने पर कराटे के ये गुर काम आ सके। मुख्य अतिथि नेहा रोहलन ने छात्र छात्राओं को अपने संबोधन ने कहा कि खुद को कभी भी दूसरों से कम ना समझे। मुश्किलें जीवन में आती जाती रहती हैं।

भाविप विवेकानंद शाखा का पांच दिवसीय योग शिविर जिंदल पार्क में जारी

योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव: पोपली

हिसार। लक्की ड्रा के विजेताओं को पुरस्कृत करते मेयर प्रवीण पोपली।

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा की ओर से ऑटो मार्केट के निकट स्थित जिंदल पार्क में आयोजित पांच दिवसीय योग शिविर रविवार को तीसरे दिन भी उत्साहपूर्वक जारी रहा। शिविर में हिसार नगर निगम के मेयर प्रवीण पोपली तथा समाजसेवी डॉ. भूषण सुदर्शन बंसल मुख्य रूप से पहुंचे। मेयर प्रवीण पोपली दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने साधकों के साथ योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। मंच का संचालन अमर गोयल ने किया। इस अवसर पर मेयर प्रवीण पोपली ने कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक संतुलन का सबसे प्रभावी माध्यम है। योग केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ और अनुशासित जीवन जीने की कला है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना ले तो अनेक बीमारियों से बचा जा सकता है तथा एक स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने भारत विकास परिषद द्वारा जनस्वास्थ्य जागरूकता के लिए आयोजित इस शिविर की सराहना करते हुए इसे समाजहित में महत्वपूर्ण पहल बताया। शिविर के प्रकल्प प्रमुख नीरज जिंदल ने बताया कि पांच दिवसीय इस योग शिविर में भारतीय योग संस्थान, उकलाना के योग प्रशिक्षक मुकेश गोयल एवं उनकी टीम विभिन्न योग क्रियाओं के माध्यम से रोगों की रोकथाम एवं स्वास्थ्य संवर्धन की जानकारी प्रदान कर रही है। शिविर में योगासन, प्राणायाम, ध्यान तथा योगिक नृत्य का नियमित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

ध्यान के महत्व पर आधारित मेडिटेशन आयोजित, विभिन्न क्षेत्रों से साधकों ने लिया

हिस्सा। नियमित ध्यान एकाग्रता, सकारात्मक सोच और कार्यक्षमता को बढ़ाता है : स्वामी संजय तनाव, चिंता व बढ़ती मानसिक अशांति से बचने एवं शांतिमय जीवन व्यतीत करने के उपाय समझाने के लिए ओशो ध्यान उपवन में ध्यान के महत्व पर आधारित मेडिटेशन का आयोजन किया गया। मेडिटेशन में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में साधकों ने हिस्सा लिया। स्वामी संजय व मां सांची ने साधकों को ध्यान विधियों का अभ्यास करवाया और विभिन्न ध्यान विधियों की उपयोगिता भी समझाई। इस अवसर पर स्वामी संजय ने साधकों को कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मेडिटेशन इंसान को मानसिक संतुलन, आंतरिक शांति और आत्मिक विकास की दिशा प्रदान करता है। नियमित ध्यान न केवल मन को शांत करता है बल्कि व्यक्ति की एकाग्रता, सकारात्मक सोच और कार्यक्षमता को भी बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि सतगुरु ओशो ने ध्यान को जीवन के परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताया है। ओशो के अनुसार ध्यान कोई क्रिया नहीं बल्कि चेतना की वह अवस्था है जिसमें व्यक्ति स्वयं को जानने लगता है। इस अवसर पर मां सांची ने समझाया कि ध्यान केवल व्यक्तिगत विकास का साधन नहीं बल्कि सामाजिक सद्भाव और सकारात्मकता को बढ़ाने का भी माध्यम है। नियमित ध्यान करने वाले लोगों में धैर्य, करुणा और सहिष्णुता जैसे गुणों का विकास अधिक देखा जाता है।

योग से सभी बीमारियों को किया जा सकता जड़ से खत्म : शमशेर लोहान

नारनौंद गांव खांडा खेड़ी में आयोजित योग शिविर के तीसरे दिन का शुभारंभ मुख्य अतिथि योगाचार्य नारनौंद जज के रीडर शमशेर दलाल ने मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्वलित करके किया। मुख्य अतिथि का योग साधक व जींद बुक टेंपल लाइब्रेरी के डायरेक्टर एडवोकेट रोहित बीबीपुर ने उन्होंने मुख्य अतिथि का फूलमाला, अंगवस्त्र, सत्यार्थ प्रकाश पुस्तक भेंट करके स्वागत किया। जिला प्रभारी हांसी वेद प्रकाश आर्य ने ओउम के उच्चारण के साथ योग शिविर का प्रारंभ किया। वेद प्रकाश आर्य ने योग के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि योग हमारे जीवन का अहम हिस्सा है लेकिन हम अपने जीवन में योग को शामिल नहीं कर रहे इसलिए हमें आज डॉक्टर के चक्कर काटने पर रहे हैं अगर हम हर रोज सुबह उठकर योग करें तो हमारे शरीर से काफी बीमारियां अपने आप ही दूर हो जाएगी और हमारा शरीर स्वस्थ हो जाएगा इसलिए योग को हर घर के सदस्य अपना कर अपना स्वस्थ जीवन व्यतीत कर सकते हैं इसके लिए हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरुक भी करना होगा। जिला सोशल मीडिया प्रभारी हांसी व योग शिक्षक बिजेंद्र आर्य ने योग साधकों को सूर्य नमस्कार, गर्दन व कंधों के रोग को ठीक करने के आसनों के बारे में विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि न्यायिक अदालत नारनौंद में जज के रीडर शमशेर दलाल ने अपने वक्तव्य में योग की परिभाषा के बारे में बताया कि योग क्रमशु कौशलम, योग द आर्ट ऑफ़ लिविंग अर्थात कर्मों में कुशलता ही योग है और जीवन जीने की कला भी योग है।

समर्थगुरु धारा संघ की ओर से करवाए गए विद्युत ध्यान से साधक हुए ऊर्जावान

हिसार। समर्थगुरु धारा संघ की ओर से संडे ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। इसमें आचार्य कृष्ण उत्सव ने साधकों को विद्युत ध्यान करवाया। सत्र की शुरुआत उत्सव, गुरु वंदना और ध्यान की महत्ता पर संक्षिप्त प्रवचन से हुई। आचार्य ने बताया कि विद्युत ध्यान एक विशेष ध्यान पद्धति है, जिसमें साधक अपने शरीर और मन में विद्युत (ऊर्जा) के प्रवाह को महसूस करते हुए संतुलित करता है। इसका उद्देश्य है तनाव कम करना, मानसिक स्थिरता पाना और शरीर की प्राकृतिक ऊर्जा को सक्रिय करना। आचार्य कृष्ण उत्सव ने बताया कि विद्युत ध्यान का अर्थ है ऊर्जा के स्रोत पर ध्यान या ऊर्जा की तरंगों के साथ मन को जोड़ना। इसमें साधक अपने भीतर प्रवाहित प्राण ऊर्जा को विद्युत धारा की तरह अनुभव करता है। इसके बाद आचार्य ने साधकों को क्रमवार विद्युत ध्यान की प्रक्रिया समझाई और ध्यान के दौरान उत्पन्न होने वाली ऊर्जाओं को संतुलित करने के उपाय बताए।

योग अपनाएं, स्वस्थ जीवन पाएं

हिसार। राजकीय महिला महाविद्यालय के सरस्वती छात्रावास में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय की एनएसएस इकाई व शारीरिक शिक्षा विभाग के संयोजित तत्वाधान में हुआ। इस अवसर योग प्रशिक्षिका कुमारी पूजा ने महाविद्यालय स्टाफ और छात्राओं को योग मुद्राओं का प्रशिक्षण दिया। महाविद्यालय के प्राचार्य सतीश सिंगला ने छात्राओं को योग का महत्व बताते हुए कहा कि हम योग को अपने जीवन मे योग को अपना कर बहुत सी बीमारियों से बच सकते हैं। शारीरिक और मानसिक विकास के लिए रोज 20 मिनट योगाभ्यास आवश्यक है। इस अवसर पर कंप्यूटर विज्ञान विभागाध्यक्ष अमित बंसल, एसोसिएट प्रोफेसर विपिन बब्बर, एनएनएस प्रोग्राम अधिकारी हीना पाहुजा और रसायन शास्त्र विभाग से डॉ. राकेश उपस्थित रहे।

सभी सर्कलों को दिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश

आंधी-बारिश के बीच बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए निगम सतर्क

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

उत्तर एवं दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक विक्रम सिंह ने सभी अधीक्षण अभियंताओं को निर्देश दिए हैं कि आंधी, बारिश अथवा अन्य कारणों से प्रभावित बिजली लाइनों को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत बहाल किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को न्यूनतम असुविधा हो। प्रबंध निदेशक ने कहा कि सभी सर्कल यह सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार की बिजली बाधा की सूचना मिलते ही संबंधित टीमें मौके पर पहुंचकर त्वरित मरम्मत कार्य करें और विद्युत आपूर्ति को जल्द से जल्द सामान्य बनाया जाए। उन्होंने सभी सर्कलों में पोल, कंडक्टर, ट्रांसफार्मर तथा अन्य आवश्यक सामग्री की उपलब्धता की भी समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी अधीक्षण अभियंताओं से कहा गया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में आवश्यक सामग्री का पर्याप्त स्टॉक बनाए रखें तथा यदि कहीं किसी प्रकार की कमी है तो उसकी जानकारी तत्काल मुख्यालय को उपलब्ध कराएं, ताकि समय रहते आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। विक्रम सिंह ने कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी तत्परता के साथ कार्य करें और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें।

स्वास्थ्य शिविर में पंचकर्म उपचार के लिए उमड़ी भीड़

नारनौंद। संस्कृत महाविद्यालय नारनौंद में पंचकर्मक और फिजियोथेरेपी के कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के मुख्य आयोजक पार्षद टेकराम शर्मा और पवन शर्मा राजली रहे। इस कैंप का मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी दवाइयां को छोड़कर इस विधि से अपनी बीमारी को पूर्णतया खत्म करना था। कैंप में ओम फिजियोथैरेपी और पंचकर्म सेंटर हुड्डा कॉम्प्लैक्स जींद की टीम रही जिसमें आचार्य सोनिया, किरण और संजना के साथ डॉक्टर अंकुश फिजियोथैरेपिस्ट रहे। कैंप में 60 लोगों ने स्वास्थ्य का लाभ लेने के लिए ने दवाई डलवाई है। एक सप्ताह बाद रविवार को भी कैंप का आयोजन करके दवाई डाली जाएगी। क्योंकि यह दवाई दो से तीन बार डाली जाती है। इस दवाई से नजला, माइग्रेन, आधे सिर का दर्द, आंख और कान से जुड़ी समस्याओं का निदान होता हैं। पित्त और कफ के संतुलन में यह दवाई रामबाण है।

साझा मंच ने नशे के विरुद्ध लाडवा में चलाया अभियान

हमारे आने वाली पीढ़ी को प्रभावित कर रहा नशा : अशोक गर्ग

हिसार। साझा मंच की ओर से गांव लाडवा में नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवानिवृत आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने कहा कि नशा हमारे आनी वाली पीढ़ी को प्रभावित कर रहा है। इसे रोकने के लिए सामाजिक समरसता के साथ, परिवार की महिलाओं को जागरुकता के लिए आगे आना होगा ताकि समाज के सभी वर्गों के लोगों के साथ मिलकर इस अभियान को गांव-गांव व शहर-शहर तक ले जाना होगा। इस अवसर पर गांव की काफी महिलाएं, बच्चों के साथ उनके पिता भी मौजूद रहे। गांव के सरपंच रामफल पूनिया, शमशेर नम्बरदार, सोमा देवी, कमला, राजबाला, दयानंद पंघाल ने भी हर तरह के नशे से दूर रहने का आह्वान किया। गांव की बेटी मोनिका ने मंच संचालन करते हुए कहा कि आज गांव के युवा व बच्चे संकल्प लेकर जाएंगे कि जीवन में कभी भी नशा नहीं करेंगे और न ही किसी को नशा करने देंगे। साझा मंच की संयोजिका बबली ने बताया कि यह मंच एक सुदृढ़ व स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए समर्पित होगा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के सभी वर्गों के लोगों के लिए जागरुकता पैदा करेगा।

कृष्ण बेदी के जन्मदिवस पर लगाया रक्तदान शिविर

हिसार। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर एवं कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में रविवार को पटेल नगर कम्युनिटी सेंटर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर वार्ड-16 आरडब्ल्यूए की ओर से पार्षद राजेंद्र बिड़लान की अध्यक्षता एवं उनकी टीम के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी ने किया। इस अवसर पर उन्होंने रक्तदाताओं एवं आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, क्योंकि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का माध्यम बन सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि रक्तदान न केवल समाज के लिए उपयोगी है, बल्कि इससे रक्तदाता के स्वास्थ्य को भी लाभ मिलता है। नियमित रक्तदान से हृदय रोगों का खतरा कम होता है तथा शरीर में नए रक्त कोशिकाओं का निर्माण होता है।

नशामुक्ति और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पर लगाया शिविर

फस्ट वुमन सोशल वेलफेयर सोसाइटी, सांझा मंच एवं हिसार पुलिस की संयुक्त पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

युवाओं और ग्रामीणों को नशे की लत से दूर रखने तथा मानसिक तनाव एवं अवसाद के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गांव लाडवा में एक विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर फर्स्ट वुमन सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें सांझा मंच और हिसार पुलिस प्रशासन ने सक्रिय सहभागिता निभाई। शिविर में उपस्थित वक्ताओं ने ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि नशे की गिरफ्त में आने वाला व्यक्ति न केवल अपना भविष्य खराब करता है, बल्कि अपने परिवार की खुशियों और सामाजिक प्रतिष्ठा को भी नुकसान पहुंचाता है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और सकारात्मक गतिविधियों की ओर अग्रसर होना चाहिए। इस पर कार्यक्रम में उपस्थित हुई महिलाओं को पौधे वितरित किए गए तथा बच्चों को स्टेशनरी वितरित की गई।

हिसार। प्रचार अभियान चलाते संस्था के पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

विश्व रक्तदाता दिवस पर सैकड़ों ने किया रक्तदान

आदमपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को यहां भव्य रक्तदान उत्सव एवं रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन टीम हेल्पयू एवं राजकीय बहुतकनीकी मंडी आदमपुर की एनएसएस इकाई की ओर से संयुक्त रूप से किया गया, जिसका शुभारंभ जिसका शुभारंभ समाजसेवी घीसा राम जैन, हरी निवास जांदू मार्केट कमेटी के अध्यक्ष ठाकुर दत पवार, वाइस चेयरमैन अंजू गर्ग व सरपंच जगत अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर अध्यक्ष ठाकुर दत ने कहा कि रक्तदान करके किसी की जान बचाना सबसे बड़ा धर्म है। हमें रक्तदान कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं आयोजन संयोजक डॉ. राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवाओं में से एक है। एक यूनिट रक्त किसी गंभीर मरीज, दुर्घटना पीड़ित, थैलेसीमिया रोगी अथवा ऑपरेशन के दौरान जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन प्रदान कर सकता है। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने पर धन्यवाद किया। डॉ. राकेश कुमार ने बताया कि जिला रेड क्रॉस सोसायटी की सहायता से रक्त संग्रहण के लिए सिविल अस्पताल हिसार तथा मेडिकल कॉलेज अग्रोहा की ब्लड बैंक टीम टीम ने रक्त संचय किया।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर जिले में जनजागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला जारी

हिसार। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, उद्यान तथा बागवानी विभाग की ओर से विभिन्न गांवों में प्राकृतिक खेती, रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशक दवाओं के संयमित उपयोग को लेकर कार्यक्रम आयोजित किए गए। गांव हिन्दवान में आयोजित कार्यक्रम में युवा भाजपा नेता भूपेंद्र पनिहार ने शिरकत की, जबकि गांव बगला में आयोजित कार्यक्रम में धर्मवीर पन्नू मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके अलावा गांव सरसोद और बालावास में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में कृषि विभाग के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने किसानों को उर्वरकों के संतुलित एवं वैज्ञानिक उपयोग के महत्व के बारे में फील्ड प्रदर्शन के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रासायनिक उर्वरकों का आवश्यकता से अधिक प्रयोग भूमि को बंजर बनाने के साथ साथ मानवीय सेहत के लिए भी खतरा है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005

ओएसजीयू ने जींद और उकलाना के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। विद्यार्थियों को सम्मानित करते अधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

ओम स्टर्लिंग ग्लोबल विश्वविद्यालय, हिसार एवं गरिमा फाउंडेशन के सौजन्य से जाट धर्मशाला, जींद व पंजाबी धर्मशाला, उकलाना में भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस गरिमामय समारोह में इस वर्ष 12वीं कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मेधावी विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य कि कामना की। कार्यक्रम के दौरान जींद में लगभग 510 और उकलाना में लगभग 435 विद्यार्थियो ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के गणमान्य अधिकारियों द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह दिए गए। इसके अलावा कार्यक्रम में विद्यार्थियों का बहुमूल्य मार्गदर्शन भी किया गया कि वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार अपने करियर की दिशा तय कर सके। कुलपति डॉ. एनपी कौशिक व ग्रुप सीओओ एंड प्रोवोस्ट डॉ. अजय पोद्दार ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि व्यक्ति कैसे शिक्षा के बल पर अपने जीवन को बदल सकते है। जींद कार्यक्रम के दौरान डॉ. सीमा घनघस व सहायक जनसंपर्क अधिकारी सौरव शर्मा ने विद्यार्थियों के भविष्य मे आने वाली चुनौतियों का सामना करने के किया प्रोत्साहित किया और बताया कि ओएसजीयू किस तरह विद्यार्थियों को इन सब चुनौतियों के लिए तैयार करता है। यह समारोह डॉ. सुनील बैंदा, डॉ. ओंड्रिला, एडवोकेट नीरज तनेजा, मेवा सिंह, सचिन काजल व उनकी टीम की देखरेख में हुआ। समारोह में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों ने भाग लिया। सम्मानित विद्यार्थियों ने ओएसजीयू के इस विशेष कार्यक्रम की सराहना करते हुए विश्वविद्यालय का आभार जताया।

डॉ. विकास को मिला 'डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ग्लोबल आइकॉन अवॉर्ड-2026'

हिसार। शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल, हिसार के विज्ञान विभागाध्यक्ष एवं रसायन विज्ञान प्रवक्ता डॉ. विकास शर्मा को प्रतिष्ठित 'डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ग्लोबल आइकॉन अवॉर्ड-2026' से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार एवं नीति आयोग, एमएसएमई पंजीकृत, शिक्षा, अनुसंधान, सामाजिक कल्याण एवं कौशल विकास के क्षेत्र में कार्यरवेलरेड ऑर्गेनाइजेशन, पश्चिम बंगाल द्वारा उन्हें एक उत्कृष्ट शोधकर्ता एवं शिक्षाविद् के रूप में उनके उल्लेखनीय कार्यों, समर्पण तथा शिक्षा जगत में महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया गया। सम्मान में डॉ. विकास शर्मा की शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा गया है कि उनकी निष्ठा, परिश्रम और नवाचारपूर्ण कार्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। संस्था ने उन्हें 'एक्सीलेंट रिसर्चर एंड एजुकेशनिस्ट' के रूप में विशेष पहचान प्रदान की है। इस अवसर पर वेलरेड ऑर्गेनाइजेशन के निदेशक रासबिहारी कायेत एवं श्रावणी कायेत ने डॉ. विकास शर्मा को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उनका समर्पण, उत्कृष्ट कार्यशैली एवं नवाचारपूर्ण सोच समाज और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है।